रुत झोलिया भरन दी आयी

रुत झोलिया भरन दी आयी के मैया ने भंडार खोलिया हूँ सबदा,

ओहदे दर ते थोर्ड ना कोई के मंगने दी लोड कोई ना,
होई आ तयार मेरी माँ करदे सबनू निहाल मेरी माँ,

तेरी भवन जग तो निराला निराली तेरी शान अम्बिके सुन आमिये,
करो दूर हनेरे मन दे के जग दिए ज्योता वालिये,
होई आ तयार मेरी माँ करदे सबनू निहाल मेरी माँ,

जिथे पुरियां हों मुरदा के ओ दर मैया दा सुन भगता,
रहे नच दा लाल कवारा जिथे माँ लाल वंड दी,
होई आ तयार मेरी माँ करदे सबनू निहाल मेरी माँ,

नही छडनी गुलामी तेरी तू रख चाहे मार दतिये सुन आमिये,
मेरे वरगे करोड़ा दाती तेरे जेहा होर कोई ना,
होई आ तयार मेरी माँ करदे सबनू निहाल मेरी माँ,

तेरे दर ते यात्रु आये ओ मुखो जय जय कार बोलदे,
तेरा चंचल तरले पावे तू चरना च ला ला दतिये,
होई आ तयार मेरी माँ करदे सबनू निहाल मेरी माँ,

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3576/title/rut-jholiya-bharan-di-aayi-ke-maiya-ne-bhandar-kholiyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |